

संवैधानिक उपबन्ध & नागरिकता अधिनियम

नागरिकता

भारतीय
संविधान

- * किन अनुच्छेदों में प्रदत्त मौलिक अधिकार केवल देश के नागरिकों को ही प्राप्त हैं
- * नागरिकता अधिनियम 1955 को अब तक कितनी बार संशोधित किया गया है
- * नागरिकता अधिनियम 1955 को पहली बार संशोधित किया गया
- * संविधान के किस भाग में नागरिकता का विवरण है
- * संविधान के प्रारंभ पर नागरिकता किस अनुच्छेद में हैं
- * नागरिक बनने के लिए सर्वप्रमुख शर्त क्या हैं
- * नागरिकता खोने की किस विधि को परित्याग के नाम से भी जाना जाता है



DAY-159

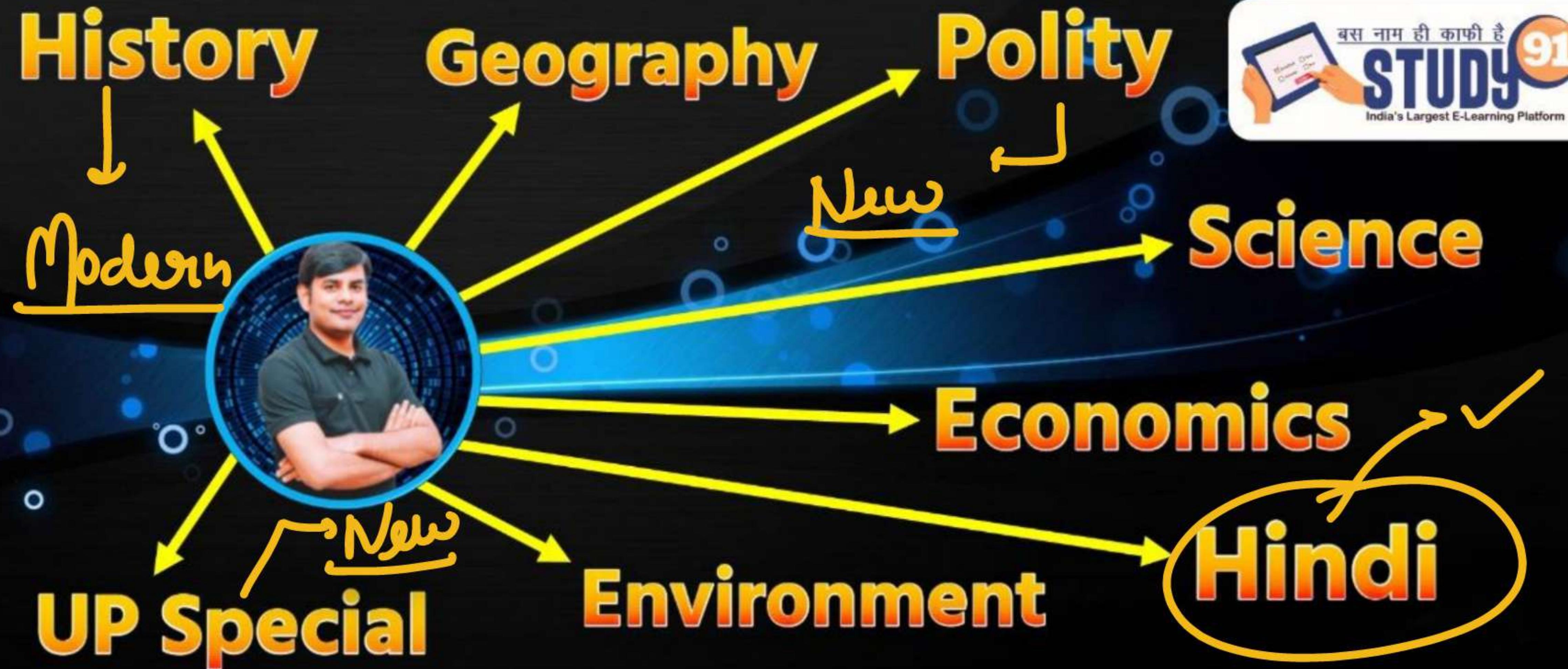
4741-4770



Foundation Batch

Call Us Now

7007734525, 9455069191



- संविधान के किस भाग में नागरिकता का विवरण है → **भाग-2**

→ कुल-22 — कुल
भाग अध्याय

→ अनु-5-11

नागरिकता प्राप्त करने के लिए शर्तें निर्धारित करने का अधिकार किसको है → **भारतीय रासद** → **प्रिया लकाशा**

→ मौलिक → अनु-12-35
अधिकार

किन अनुच्छेदों में प्रदत्त मौलिक अधिकार के वल देश के नागरिकों को ही प्राप्त हैं → अनु. 15, 16, 19, 29, 30 → **पांच गु**

(कैलज वा रतीद नागरिकों की जाह्ज है)

अनु. १५ → जाति, धर्म, वंश, जन्मस्थान, लिंग के आधार पर विशेष रूपी

अनु. १६ → लोक नियोजन के विषय में भावहार की स्थिता

अनु. १७ → अधिकारियां की स्वतंत्रता

अनु. २९ & ३० → रांगनुसूतिक एवं धार्मिक स्वतंत्रता

कुल अनु. की रु. ५

- राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, राज्यपाल, सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, महान्यायवादी व महाधिवक्ता जैसे उच्च पदों पर आसीन होने का अधिकार किन व्यक्तियों को है → केवल भारतीय व्यक्तियों
- मतदान करने का अधिकार और संसद् तथा राज्यों के विधानमण्डलों के सदस्य बनने का अधिकार किन व्यक्तियों को है → केवल भारतीयों
- संविधान के प्रारंभ पर नागरिकता किस अनुच्छेद में है → अनु. 5-11

अनु-5

अनु-2

नागरिकता

- पाकिस्तान से भारत को प्रव्रजन करने वाले कुछ व्यक्तियों के नागरिकता के अधिकार किस अनुच्छेद में हैं → अनु० ६ → भारत की आए हुए

पाकिस्तान को प्रव्रजन करने वाले कुछ व्यक्तियों के नागरिकता के अधिकार किस अनुच्छेद में हैं → अनु० ७ → पाकिस्तान की आए हुए

भारत के बाहर रहने वाले भारतीय उद्धव के कुछ व्यक्तियों के नागरिकता के अधिकार किस अनुच्छेद में हैं → भारतीय शैल के लाभियों - अनु० ०८

- विदेशी राज्य की नागरिकता स्वेच्छा से अर्जित करने वाले व्यक्तियों का नागरिक न होना किस अनुच्छेद में है → अनु. 9
- किस अनुच्छेद में लिखा है कि हर वह व्यक्ति, जो नागरिकता विधि के उपबंधों के अधीन नागरिक है, वह संसद द्वारा बनाई विधियों के अंतर्गत भारत का नागरिक बना रहेगा → अनु. 10
- भारतीय संसद को किस अनुच्छेद के अनुसार नागरिकता के अधिकार को विधि द्वारा विनियमित करने का अधिकार प्राप्त है → अनु. 11

- संविधान द्वारा प्रदत्त नागरिकता के संबंध में संसद ने एक व्यापक नागरिकता अधिनियम कब लागू किया था → नागरिकता अधिनियम, 1955
- कौन-सा अधिनियम संविधान लागू होने के बाद नागरिकता के अर्जन एवं समाप्ति के बारे में उपबंध करता है → नागरिकता अधि. 1955
- किस अधिनियम के अंतर्गत पाँच वर्ष से अधिक उम्र के निवासियों का पंजीकरण अनिवार्य है → नागरिकता अधि. 1955

The advertisement features a white background with orange borders at the top and bottom. At the top left, the text "सम्पूर्ण हिन्दी व्याकरण तथा साहित्य" is written in orange. To the right is a logo for "STUDY 91" with a tablet icon. The main title "अपनी हिन्दी" is displayed prominently in large, bold, red and yellow letters. A hand holding a red feather quill is positioned next to the title. Below the title, a list of exam names is provided: UPSC, UPPSC, MPPSC, RPSC, BPSC, RO/ARO, CSAT, UPSSSC, PET, UPSI, UP Police, DSSSB, SSC, UP TGT/PGT, CTET, UPTET, SUPER TET, REET, followed by "एवं अन्य सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण।" To the right of this text is a red bullseye target. On the left side, there is a green ribbon banner containing "5000+" and the text "अध्यास प्रश्न". Above the banner is a silhouette of a person jumping. Below the banner is a blue speech bubble with the text "वस्तुनिष्ठ प्रश्न-प्रारंभ". To the left of the speech bubble is a circular badge with "10 MILLION+ VIEWS". At the bottom left, there is a blue circle with the number "5" and the text "MILLION+ SUBSCRIBERS". On the right side, a young man with dark hair, wearing a dark polo shirt, stands with his arms crossed. A black banner across his chest contains the text "Nitin Sir". The overall design is dynamic and educational.

**5 MILLION+
SUBSCRIBERS**

उत्तम लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित

अपनी हिन्दी 1

RO/ARO

प्रारम्भिक एवं मुख्य परीक्षा

3000 सवाल

- विलोम शब्द
- पर्यायवाची शब्द
- विशेषण-विशेष
- तत्सम-तद्भव शब्द
- वर्तनी एवं वाक्य शुद्धि
- अलोक शब्दों के लिए एक शब्द

**500-500 सवालों
के साथ प्रैरिट्स**

वर्ष 2001 से आधारण

NITIN SIR, A.I.O., HIGH COURT ROGRAM, U.P. VIDHAN PARISHAD,
U.P. VIDHAN SABHA SACHIVALAYA, U.P. LOWER SUB., UPPCS,
MPPCS, UPSR, BPSC, TST, PSC, UPSI, UP POLICE,
UPTE, UPSSSC, & Ed. of 2019-20 समीक्षा

Nitin Sir

**5 MILLION +
SUBSCRIBERS**

THINK
Static GK

सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण

100+
महत्वपूर्ण टॉपिक

दर समस्या के 2 समाधान हैं।
भाग लो या भाग लो
Run Away or Participate

Nitin Sir

UPSSSC
उत्तर प्रदेश अधीनसत्ता सेवा एग्जाम आयोजन
PET
प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा

नवीनतम्
पाठ्यक्रम
पर आधारित

Study91

सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री

इतिहास भूगोल राजनीतिकाशास्त्र अर्थशास्त्र
सामाजिक जगह कला सामाजिक हिन्दी सामाजिक अंग्रेजी
जंडलीला राजनीतिला कर्मचारी ज्ञान

राजस्व लेखाचाल, लोडर पीसीएस, लेखापरीक्षक, यन रक्काक,
प्राची पंचायता अधिकारी, कमिटी सहायक, स्टेनोग्राफर,
जाकलारी शिपाही, नागरिक चालक, गन्ध परीक्षक,
अमीन, फोरमेन इव समूह-ग टी
सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी।

Study91 YouTube Channel
50 Lakh Subscribers

Nitin Sir

The advertisement features a large red 'VDO' logo at the top. Above it, a circular logo contains a smartphone icon with the word 'STUDY' below it. To the right, text reads 'Study91 YouTube Channel' and '48 Lakh Subscribers'. Below the main title, there is descriptive text in Hindi: 'ग्राम पंचायत अधिकारी, ग्राम विकास अधिकारी एवं समाज कल्याण पर्यवेक्षक'. The central part of the ad contains the text 'विभाग हल प्रश्न-पत्र' and 'लार्य' (व्याख्यात्मक उत्तर सहित). To the left, there is an image of a book cover titled 'VDO' with a photo of a person. To the right, a man with his arms crossed is labeled 'Nitin Sir'. Three numbered boxes at the bottom left list: 1. सम्बन्धित दिनदी, 2. सम्बन्धित कुछ परीक्षण, 3. सम्बन्धित अध्ययन.

Study91 You Tube Channel
45 Lakh Subscribers

VDO

ग्राम पंचायत अधिकारी, ग्राम विकास अधिकारी
एवं समाज कल्याण पर्यवेक्षक

फ्री

मॉडल टेस्ट पेपर

NOT FOR SALE

1 समाजव्य
हिन्दी

2 सामाजिक
परीक्षा

3 सामाजिक
अध्ययन

Nitin Sir

 Call us now!
7007734525



6 बार

- नागरिकता अधिनियम 1955 को अब तक कितनी बार संशोधित किया गया है
- नागरिकता
अधिनियम, 1955
- I 1986 II 1992 III 2003 IV 2005 V 2015 VI 2019
- नागरिकता अधिनियम 1955 को पहली बार संशोधित किया गया → 1986
- नागरिकता संशोधन अधिनियम 1986, के अनुसार यदि भारत में जन्मा कोई व्यक्ति भारतीय नागरिक के रूप में पंजीकृत होना चाहता है, तो उसे भारत में कितने वर्षों तक रहने का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा → 5 वर्ष तक
- क्रांति → भारत-प्रिंसिपल कोई भारतीय

- नागरिकता संशोधन अधिनियम 1986 से पहले भारतीय नागरिक के रूप में पंजीकृत होने के लिए किस अवधि तक भारत में रहने का प्रमाण प्रस्तुत करना पड़ता था → 6 वर्ष → आठवां → कठी
- नागरिकता संशोधन अधिनियम 1986 के तहत विदेशी महिला कैसे नागरिकता प्राप्त कर सकती है → भारतीय व्यक्ति होने विवाह करके
- किस अधिनियम के आधार पर माता की नागरिकता के आधार पर बच्चे को नागरिकता प्राप्त करने का प्राविधान जोड़ा गया → 1992 → II संशोधन

- किस अधिनियम द्वारा यह व्यवस्था की गई कि भारत से बाहर जन्म लेने
वाले बच्चे को, यदि उसकी माँ भारत की नागरिक है, तो भारत की
नागरिकता प्राप्त होगी → नागरिकता (संशोधन) अधि. 1992
- नागरिकता संशोधन अधिनियम 1992 से पूर्व भारत से बाहर जन्म लेने
वाले बच्चे को भारत की नागरिकता किस शर्त पर मिलती थी → पिता की
2003 → IV → पिता की नागरिकता के माध्यांपर
- नागरिकता (संशोधन) अधिनियम 2005 में किन दो देशों को छोड़कर
सभी देशों के प्रवासी भारतीयों को दोहरी नागरिकता प्राप्त है → पाकिस्तान
बांग्लादेशी

नागरिक बनने के लिए सर्वप्रमुख शर्त क्या है → नागरिकता कीशर्तें

॥
1955

नागरिकता अधिनियम 1955 में नागरिकता प्राप्त करने की कौन सी पाँच शर्तें बताई गई हैं → ① जन्म ③ पंजीकरण (Registration) ⑤ समाविष्ट
② क्षानुगत ④ प्रृष्ठातिक (नारतवा लेभ) ⑥ द्वेष

नागरिकता अधिनियम, 1955 में अधिनियम या संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार प्राप्त नागरिकता खोने के कौन से तीन कारण बताए गए हैं → ③ वर्गीकृति
① द्वेषिक त्याग ② बर्जास्तगी

DAY-159

4741-4770

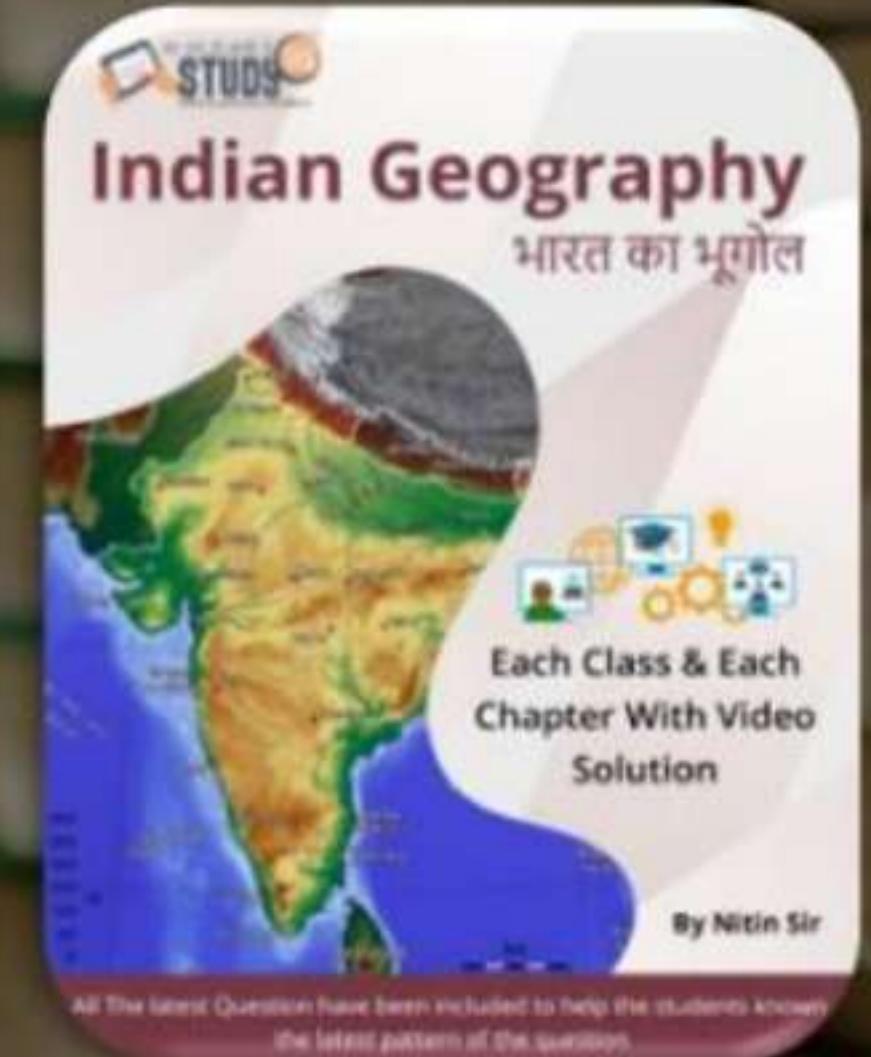
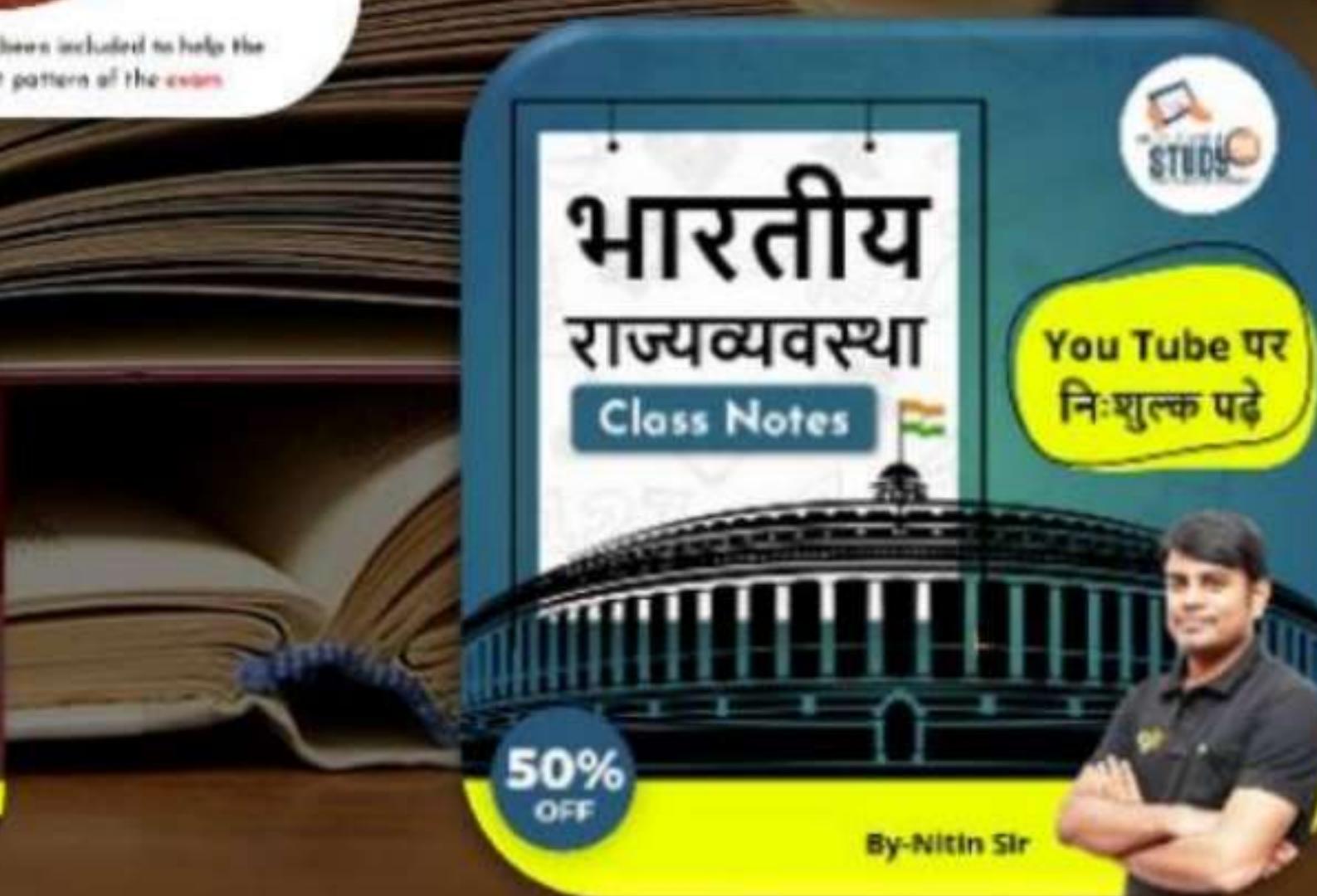
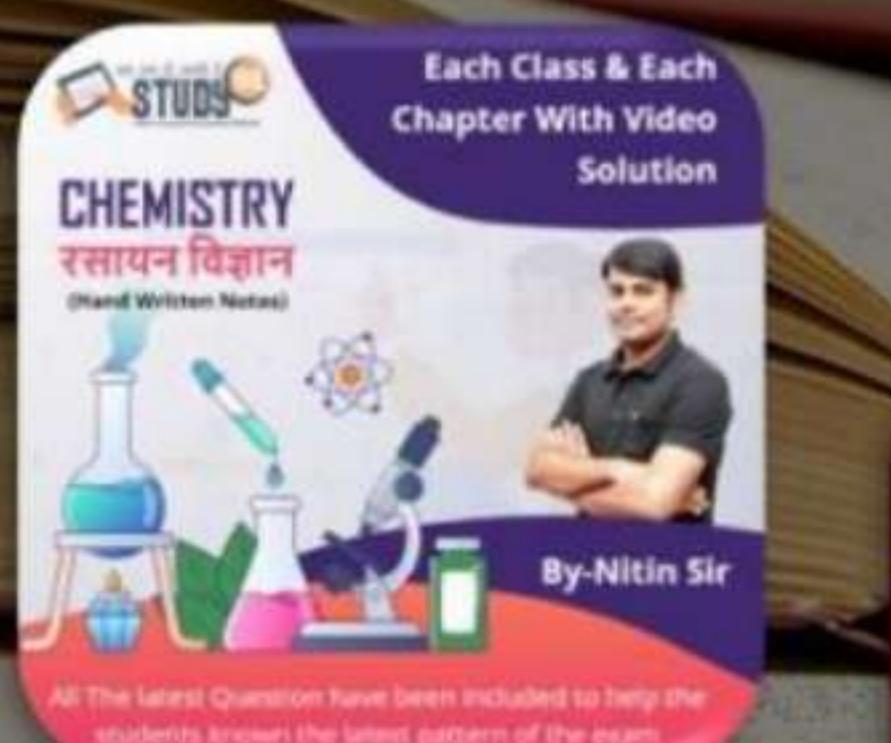
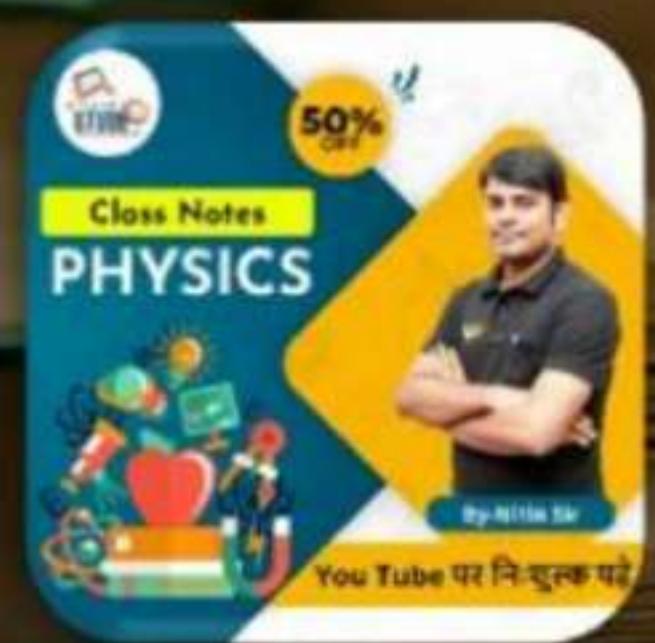
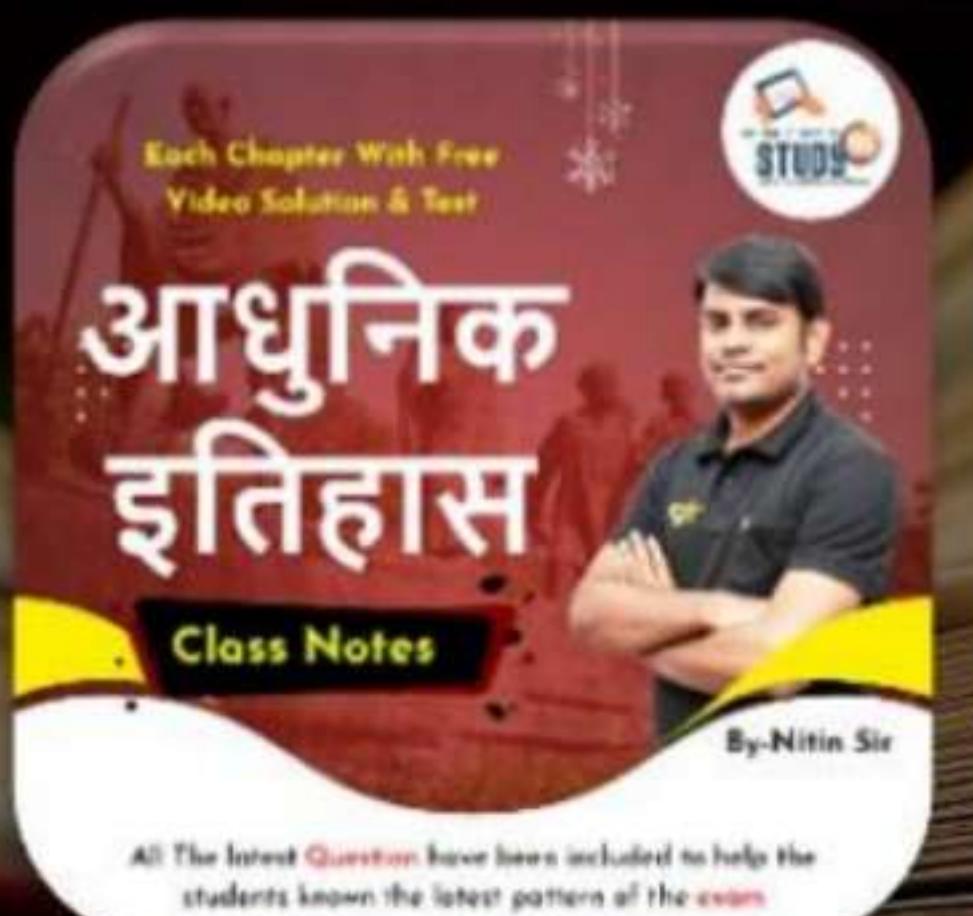
नागरिकता

भारतीय
संविधान

- नागरिकता खोने की किस विधि को परित्याग के नाम से भी जाना जाता है
→ स्वेच्छा
- जब कोई व्यक्ति अपनी नागरिकता का परित्याग करता है तो उस व्यक्ति का कौन-सा बच्चा भारतीय नहीं रहता → नाबालिंग बच्चा
→ '18वर्ष से कम'
- अन्य राष्ट्र की नागरिकता धारण करने के लिए भारत की नागरिकता स्वेच्छा से छोड़ना कौन-सी विधि है → परित्याग → स्वैच्छक परित्याग



Nitin Sir Hand Written E-Books



Thank You